



* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

शिक्षक दिवस
की बधाई



रांची 05 सितंबर, 2025, शुक्रवार, वर्ष 10, अंक 316, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी, संवत् 2082, पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of Jai) Abdul Razzaque Educational Society)

ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING

- M.Sc. Nursing
- Post Basic B. Sc. Nursing
- B.Sc. Nursing
- GNM (General Nursing And Midwifery)
- ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE

- BMLT
- DMLT
- OT ASSISTANT
- ECG
- OPHTHALMIC ASST.
- CRITICAL CARE (ICU)
- RADIO-IMAGING
- ANESTHESIA TECH.
- DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY

- D-PHARM
- B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

SACRED CHILD ACADEMY

PLAY SCHOOL

- Pre Nursery
- Nursery
- KG - I
- KG - II

ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

मुख्यमंत्री रिनपास के शताब्दी वर्ष समारोह में शामिल हुए हेमंत देंगे रिनपास को संजीवनी

आजाद सिपाही संवाददाता
रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि रिनपास (रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरो साइकेट्री एंड एलाइड साइंस) में जल्द कई बदलाव देखने को मिलेंगे। रिनपास में आधारभूत संरचना तथा शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत किया जायेगा। यहां जो भी कमियां होगी, उसकी विस्तृत समीक्षा कर उसे दूर किया जायेगा। यहां मानसिक मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिले, उनका अत्याधुनिक तरीके से इलाज की समुचित व्यवस्था हो, इस दिशा में राज्य सरकार सभी आवश्यक कदम उठायेगी। मुख्यमंत्री गुरुवार को रिनपास के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर आयोजित शताब्दी वर्ष समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सेवा, सम्पन्न और विश्वास के गौरवशाली सौ वर्ष पूरे होने पर रिनपास से जुड़े सभी लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

रिनपास जैसे संस्थानों की भूमिका तेजी से बढ़ रही: मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय रिनपास जैसे संस्थानों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। जिस तरह लोग मानसिक अवसाद की गिरफ्त में आ रहे हैं। वैसे में उन्हें बेहतर काउंसलिंग और इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। हालांकि कोई भी व्यक्ति यह नहीं चाहता कि उसे रिनपास जैसे संस्थान में आने की नौबत आये, लेकिन मानसिक परेशानी, मजबूरी और परिस्थिति कई लोगों को यहां तक आने को मजबूर

■ आधारभूत संरचना तथा शैक्षणिक व्यवस्था को मजबूत किया जायेगा: मुख्यमंत्री

■ टेली मेंटल हेल्थ वीडियो कांफ्रेंसिंग सेवा और डिजिटल अकादमी का किया शुभारंभ

■ पोस्टल स्टांप, स्मारिका और चार पुस्तकों का भी विमोचन डॉक्टर किये गये सम्मानित



इलाज में आधुनिक तकनीकों का हो इस्तेमाल

हेमंत सोरेन ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के इलाज में अत्याधुनिक तकनीकों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की दिशा में हमें आगे बढ़ना होगा। रिनपास में मरीजों की मानसिक समस्याओं के समाधान के लिए जो भी डिजिटल चिकित्सा तकनीक की जरूरत होगी, उसे उपलब्ध कराया जायेगा।

मरीज को छोड़ कर चले जाते हैं कई परिजन

मुख्यमंत्री ने इस बात पर चिंता जतायी कि कई परिजन अपने मरीज को यहां छोड़ कर चले जाते हैं और फिर उन्हें कभी लेने भी नहीं आते हैं। वहीं, कई बार घरों में ही मनोरोगी को अलग-अलग तरीके से 'कैद' कर रखा जाता है, जो हमारे परिवार और समाज के लिए अच्छा नहीं है। ऐसी परिस्थिति में मानसिक मरीजों की मन:स्थिति कैसी होती होगी, उसकी कल्पना हम नहीं कर सकते हैं। ऐसे में मानसिक समस्या से ग्रसित मरीजों तक सहजता और सरलता के साथ हमारी व्यवस्थाएं पहुंचे, इसके लिए गंभीरता से पहल करने की जरूरत है।

करती है। ऐसे में यहां आने वाले मनोरोगी पूरी तरह स्वस्थ होकर जायें, इसके लिए यहां इलाज की बेहतर से बेहतर व्यवस्था व्यवस्था की जायेगी।

इन्हें किया गया सम्मानित: रिनपास के अवकाश प्राप्त निदेशक डॉ पीके चक्रवर्ती, डॉ

एनएन अग्रवाल, डॉ अशोक कुमार प्रसाद, डॉ अशोक कुमार नाग और डॉ केके सिंह, रिटायर्ड मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ प्रवीण कुमार, सेवानिवृत्त फैकल्टी मेंबर डॉ एन वर्मा तथा डॉ केसी सेंगर अहम सेवा तथा योगदान के लिए सम्मानित किये गये। कार्यक्रम में

रिनपास की स्थापना करनेवाले काफी दूरदर्शी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1925 में जब मनोचिकित्सा के क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना हुई थी, उस वक्त इसकी क्या जरूरत रही होगी, यह हम तो नहीं बता सकते हैं, लेकिन आज जिस तरह ऐसे संस्थान की अहमियत बढ़ चुकी है, वह बताने के लिए काफी है कि जिन्होंने भी आज से सौ वर्ष पहले रिनपास की नींव रखी होगी, वे कितने दूरदर्शी रहे होंगे। यह संस्थान पिछले 100 वर्षों से लोगों की सेवा में समर्पित है। यह सेवा भाव अनवरत जारी रहे, इसे और भी बेहतर बनायेंगे।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, विधायक राजेश कच्छप, विधायक सुरेश कुमार बैठा, झारखंड राज्य समन्वय समिति के सदस्य राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय

कुमार सिंह, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो साइंसेज, बेंगलुरु की निदेशक डॉ प्रतिमा मूर्ति, चीफ पोस्ट मास्टर जेनरल (झारखंड परिमंडल) विधान चंद्र राय, रिनपास के निदेशक डॉ अमूल रंजन सिंह समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में दो जवान शहीद, एक घायल



● शहीद जवानों को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र के केदल जंगल में बुधवार रात 10 लाख के इनामी टीएसपीसी कमांडर शशिकांत के दस्ते के साथ पुलिस की भीषण मुठभेड़ हुई। इसमें जिला पुलिस बल के दो जवान संतन मेहता और सुनील राम शहीद हो गये, जबकि एक जवान रोहित कुमार घायल हैं। देर रात 2 बजे घायल जवान को इलाज के लिए एमएमसीएच लाया गया। डॉ सुशील और डॉ प्रवीण सिद्धार्थ की टीम ने उनका इलाज किया।

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि जिस इलाके में मुठभेड़ हुई, वह टीएसपीसी के 10 लाख इनामी कमांडर शशिकांत गंजू का क्षेत्र है। जहां मुठभेड़ हुई है, वहां के गांव में करमा उत्सव मनाया जा रहा था। पुलिस को सूचना थी कि शशिकांत गंजू वहां मौजूद है। इसी सूचना पर पुलिस बुधवार की शाम

7 बजे के करीब सर्च ऑपरेशन के लिए निकली हुई थी। इस दौरान पुलिस जब वहां पहुंची, तो पुलिस को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है, जबकि दो जवान शहीद हुए हैं।

पलामू की पुलिस कप्तान रीष्मा रमेशन ने अस्पताल पहुंच कर घायल जवान का हालचाल लिया। पुलिस ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जायेगा। हम नक्सली गतिविधियों को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डीआइजी नौशाद आलम के अनुसार जिला पुलिस, आइआरबी और एसटीएफ की 2 टीम सर्च ऑपरेशन में गयी थी। आइजी अभियान ने दावा किया कि झारखंड में 95 प्रतिशत नक्सली गतिविधियां समाप्त हो चुकी हैं और यह घटना 'बुझने से पहले दिये की आखिरी लौ' जैसी है।

मोदी को गाली देने के मामले में एनडीए का बिहार बंद मिलाजुला

पटना (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां को गाली देने के मामले में एनडीए ने गुरुवार को बिहार बंद किया। पूरे राज्य में सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक एनडीए के कार्यकर्ता सड़क पर उतरे और दुकानें बंद करायीं। चोक्-चोराहों को जाम किया। इस दौरान समस्तीपुर, बेगूसराय, छपरा, हाजीपुर, दरभंगा में समेत 12 जिलों में दो से तीन घंटे नेशनल हाइवे जाम किया गया। गाड़ियों की लंबी लाइन लग गयी। बंद को लेकर कांग्रेस और राजद ऑफिस की सुरक्षा बढ़ायी गयी थी। साथ ही पटना में दो हजार से ज्यादा पुलिस जवान तैनात किये गये।

GD GOENKA SCHOOL
Thrive. For Life.
(Under The Aegis of GD Goenka Group)

Ranchi Jharkhand

Dear stakeholders we should encourage our children to think out of box but first they should unbox what they already have.

Happy Teacher's Day

Dr. Sunil Kumar
(Principal)



मिशन त्रिशूल: इधर बिहार में राहुल यात्रा निकालते रहे, उधर आरएसएस चुपके से अपना काम करता रहा

वोटर अधिकार यात्रा में उमड़ी भीड़ से महागठबंधन उत्साहित, उधर घर-घर घुस चुका आरएसएस



रakesh सिंह
संपादक

बिहार में आरएसएस के 16 हजार स्वयंसेवक एक्टिव, घूम रहे गांव-गांव, टोला-टोला

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देशभर से 10 हजार स्वयंसेवक बिहार में तैनात कर दिये हैं। ये सभी स्वयंसेवक पटना, मुजफ्फरपुर, सीवान, भागलपुर सहित सीमांचल और मगध के गांवों-शहरों में एक्टिव हैं। चाय की टपरी से लेकर गांव की चौपाल, मंडियों से लेकर आम आदमी तक अपने विचारों को लेकर पहुंच रहा है आरएसएस। हर गांव में करीब 10 से 15 स्वयंसेवक ग्रास रूट लेवल पर काम कर रहे हैं। आरएसएस की

इसी स्ट्रेटजी से भाजपा ने पहले हरियाणा और फिर दिल्ली में सरकार बनायी थी। लेकिन झारखंड में उसे सफलता हासिल नहीं हो पायी थी, क्योंकि यहां आरएसएस से ज्यादा केंद्र से भेजे गये बड़े चेहरे हावी हो गये थे, जिन्होंने राज्य के बड़े चेहरों को शिथिल कर दिया था। लेकिन इस बार भाजपा ने झारखंड के लोकसभा और विधानसभा चुनावों से सबक लेते हुए अपनी रणनीति में सुधार किया है।

उत्तर और दक्षिण बिहार में साइलेंटली काम

आरएसएस ने बिहार को दो प्रांत उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार में बांटा है। उत्तर बिहार का काम मुजफ्फरपुर और दक्षिण बिहार का काम पटना से संचालित हो रहा है। जानकारी के मुताबिक बिहार में पिछले दो महीने से देशभर के 10 हजार स्वयंसेवकों ने डेरा डाल रखा है। राज्य में भी करीब छह हजार कार्यकर्ता हैं। कुल 16 हजार स्वयंसेवक इस वक्त जमीन पर एक्टिव हैं। आरएसएस का काम करने का अपना स्टाइल है। आरएसएस साइलेंटली काम करता है और रिजल्ट देने में भरोसा करता है। हर राज्य की जनता अलग है, मुद्दे भी अलग हैं, इसलिए रणनीति

आजाद सिपाही खास



भी अलग होती है। आरएसएस सोशल मीडिया पर नहीं, जमीन पर उतरता है। स्वयंसेवक घर-घर पहुंचते हैं। लोगों का मन टटोलते हैं, उनसे जुड़ते हैं।

रूठों को मनाना, कन्प्यूज मतदाताओं को बताना

आरएसएस की एक टीम

घर-घर जाकर मतदाताओं की लिस्ट तैयार कर चुकी हैं। ये टीम उन वोटरों को मना रही हैं, जिसके मन में भाजपा या एनडीए के लिए थोड़ी भी दुविधा है। स्वयंसेवक कन्प्यूज वोटर को बिहार के लिए सही पार्टी चुनने में मदद कर रहे हैं। वैसे आरएसएस के प्रांत प्रचारक इस बात का जिज्ञा करते हैं कि वे पार्टी का नाम लिये बगैर काम

करते हैं, उसके प्रचारक कहते हैं कि जो राज्य और लोगों का विकास कर सके, उसे वोट दीजिये। फिलहाल आरएसएस की स्ट्रेटजी के हिसाब से घर-घर जाकर लोगों की कैटेगरी के हिसाब से लिस्ट बनाने का काम लगेगा पूरा हो चुका है। ये लिस्ट तीन हिस्सों में बंटी है। पहली भाजपा के पक्के वोटर, दूसरी कन्प्यूज वोटर और तीसरी

रूठे वोटर। वहीं आरएसएस की दूसरी टीमों ने लिस्ट के मुताबिक लोगों से संपर्क करना शुरू कर दिया है। ये टीमों वोटरों को मुद्दे, उनके फायदे-नुकसान के बारे में बताती हैं।

किस पार्टी ने क्या वादा किया था, कितना पूरा किया, किस पार्टी ने बिहार को नुकसान पहुंचाया और किसने बेहतर काम किया। इन टीमों का काम

कन्प्यूज वोटरों के दिमाग में स्पष्टता लाना है। आरएसएस ने एक प्रयोग हरियाणा में किया था। एनडीए या भाजपा के नाराज वोटरों को मनाने के लिए कुछ वरिष्ठ स्वयंसेवकों की टीमें बनायी गयी थीं। इनका काम लोगों की शिकायतें सुनना था। वे उनसे मिलते, उनकी बातें सुनते थे। उन्हें गुस्सा उतारने देते थे। इसी रणनीति के हिसाब से बिहार में आरएसएस सक्रिय है।

महिला वोटरों पर फोकस, उनके लिए अलग स्ट्रेटजी

बिहार में महिला वोटर निर्णायक हैं। उनके लिए अलग से रणनीति बनी है। आरएसएस से जुड़े महिला संगठन ये काम को अंजाम दे रहे हैं। ये टीमें अलग-अलग उम्र की महिलाओं से मिल रही हैं। घरेलू और पेशेवर महिलाओं के लिए अलग टीमें हैं। आरएसएस ने एक सर्वे भी किया है। उसी के हिसाब से कैटेगरी बनायी गयी है। सर्वे को आधार मानते हुए साथ महिलाओं की लिस्ट तैयार की गयी है। उनके साथ टीमें बैठक बैठकें कर रही हैं। महिलाओं से पूछा जा रहा है कि उनकी सीट पर कौन सा नेता बेहतर है। पूछा जा रहा है कि उनका नेता कैसा हो

और उन्हें किसकी सरकार चाहिए। महिलाएं घर से लेकर बाहर तक हर चीज से प्रभावित होती हैं और करती भी हैं। घर का राशन, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, सड़कों का माहौल, इनसे जुड़े ऐसे कुछ सवाल महिलाओं से पूछे जा रहे हैं।

फिर उनके जवाब पर मंथन किया जा रहा है। इससे कोई एक चेहरा या फिर उनकी पसंद की सरकार की इमेज निकल कर सामने आवे। इसी के आधार पर प्रत्याशियों का भाग्य भी तय होता है कि टिकट मिले तो किसे मिले।

बिहार में आरएसएस की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां आरएसएस की शुरुआत से ही शाखाएं चल रही हैं। जब मार्च 2025 में आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत बिहार आये थे, तो उन्होंने स्वयंसेवकों से बात की थी और मिशन त्रिशूल शुरू करने का ऐलान किया। मिशन त्रिशूल की रणनीति राष्ट्रवाद, हिंदुत्व और विकास पर आधारित है। दिल्ली के विधानसभा चुनाव में आरएसएस ने अलग-अलग सीटों पर 50 हजार से ज्यादा बैठकें कर रही हैं। इनके जरिये वोटरों को भाजपा के पक्ष में एकजुट किया गया। बिहार में भी इसी तरह काम हो रहा है।

गेम चेंजर है मोदी सरकार का जीएसटी रिफार्म

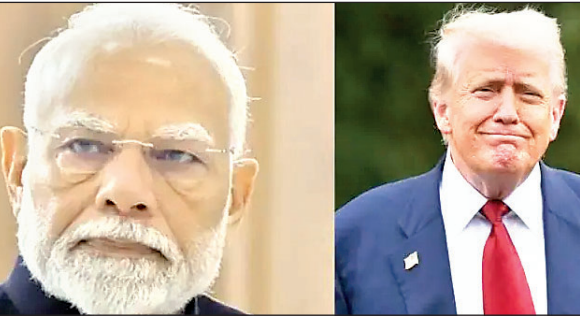
अब विस्थापन और पुनर्वास समस्या से छुटकारे का इंतजार

रakesh सिंह
जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लालकिले की प्राचीर से वादा किया था कि वह जीएसटी का सरलीकरण करेंगे और महज 20 दिन में ही उन्होंने इसे पूरा कर अब तक का शायद सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक लगाया है। खुद पीएम मोदी ने जीएसटी काउंसिल के फैसले का स्वागत करते हुए अर्थव्यवस्था के लिए इसे मजबूत कदम बताया है। मोदी सरकार ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने और प्रक्रियागत सुधारों के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया था, जिसका अन्तर आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। जीएसटी काउंसिल के फैसले से यह उद्देश्य हासिल हो गया है। इस फैसले के बाद देश में त्वीहार शुरू होने से पहले ही दिवाली जैसी रौनक है। इस रोशनी से आम आदमी का चेहरा भी चमक रहा है और शेयर बाजार में भी हरा रंग छाया हुआ है। जीएसटी से जुड़ी नयी खबर ने आम लोगों और निवेशकों दोनों को राहत दी है। जीएसटी काउंसिल के फैसलों का अन्तर सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ेगा। इन बदलावों को 22 सितंबर से लागू किया जायेगा। सरकार ने इस बार रोजमर्रा की कई जरूरी चीजों पर जीएसटी दरें घटा दी हैं। इसका फायदा दुकानों से सामान खरीदते समय आम लोगों को कम कीमत चुकाने के रूप में मिलेगा। सबसे बड़ी राहत खाने-पीने के सामान पर दी गयी है। ब्रेड, रोटी और छेना-फनीर पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इसके अलावा 33 जर्सी दवाइयों के दाम कम कर दिये गये हैं, जिससे इलाज का खर्च भी घटेगा। जीवन बीमा पर भी पूरी तरह जीएसटी छूट दी गयी है, जिससे पॉलिसी खरीदना अब और सस्ता हो जायेगा। जीएसटी के इस सरलीकरण से मोदी सरकार ने विपक्ष के तमाम हथकंडों की एक झटके में हवा निकाल दी है। क्या है जीएसटी का यह सरलीकरण और इसका क्या होगा असर? **इसे आसान**

■ आम आदमी अब जोड़-घटाव करने लगा है कि कहा कितना फायदा

■ ट्रंप के 50% टैरिफ वाली फुलझड़ी का जवाब भी है जीएसटी 2.0

■ देश को नवशत्रु की सौगात के साथ महंगाई से भी राहत



अमेरिकी के टैरिफ वॉर का जवाब

अमेरिका के साथ तनाव के बीच भारत ने ये सुधार किये हैं। डोनाल्ड ट्रंप अपने बतुके टैरिफ को सही ठहराने पर अड़े हुए हैं। मामला अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर लगाये गये 50% टैरिफ को सही ठहराया है। प्रशासन का कहना है कि ये टैरिफ यूकेन में शांति लाने के लिए जरूरी हैं। अमेरिकी सांसिलिट्टर जनरल जॉन सॉयपर ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करते हुए कहा कि टैरिफ को हटाना अमेरिका के लिए आर्थिक तबाही ला सकता है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 25% टैरिफ व्यापार घाटे के कारण और 25% रूस से तेल खरीदने के कारण लगाया है। अमेरिका की ओर से लगाये गये टैरिफ के नुकसान से नये अप्रत्यक्ष सुधार काफी हद तक भरपाई कर सकते हैं। 50% टैरिफ भारत के करीब 1 लाख करोड़ रुपये के व्यापार को प्रभावित करता है। 27 अगस्त से

टैरिफ लागू होते ही पंजाब के इंडस्ट्रियल सेक्टर के ऑर्डर रुक गये। इससे इंडस्ट्री को 30 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होगा। इनमें कपड़ा, मशीन टूल्स, फास्टनर्स, ऑटो पार्ट्स, स्पोर्ट्स और लेंडर, खेती उपकरणों की इंडस्ट्रीज शामिल हैं। वहीं 15 अगस्त को पीएम मोदी का ऐलान ट्रंप के टैरिफ को काउंटर करने का इशारा था। उन्होंने ट्रंप के टैरिफ का तोड़ जीएसटी कम करके निकाला। देश में जीएसटी कम करने से सीधा फायदा ग्राहकों को होगा। इससे इकोनॉमी में जो गैप आने का अनुमान था, वो कम हो सकता है। आरबीआई की रेट कट्स, बजट में इनकम टैक्स में छूट और इन्फ्लेशन कम होने से ये खपत बढ़ेगी।

शब्दों में समझने की कोशिश करते हैं।

मोदी सरकार ने जीएसटी में सुधार का न केवल देश में आर्थिक सुधारों का नया अध्याय लिखा है, बल्कि यह कदम राजनीतिक दृष्टिकोण से भी ऐतिहासिक कहा जा सकता है। ये सुधार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनायेंगे और छोटे व्यापारियों के लिए व्यापार आसान करेंगे। जीएसटी काउंसिल ने मौजूदा 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को समाप्त कर केवल दो स्लैब पांच फीसदी और 18 फीसदी को लागू रखने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इस कदम से

कर ढांचे को सरल बनाने और उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने की दिशा में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

अब सिर्फ दो प्रमुख स्लैब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने लंबे समय से चली आ रही कर प्रणाली की जटिलताओं को सरल बनाते हुए केवल दो प्रमुख स्लैब, 5 और 18 प्रतिशत लागू करने का फैसला किया है। इसके साथ ही विशेष वस्तुओं के लिए एक विशेष स्लैब भी निर्धारित किया गया है। 12 और 28 प्रतिशत वाले स्लैब को खत्म कर देना कर प्रणाली को न केवल और सरल बनायेगा, बल्कि आम जनता और उद्योग जगत

दोनों के लिए पारदर्शिता भी लायेगा। यह कदम मोदी सरकार की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें सुधार केवल आर्थिक संतुलन तक सीमित नहीं, बल्कि सीधे-सीधे आम लोगों की जेब तक पहुंचते हैं।

विकास की रणनीति

आर्थिक जानकार बताते हैं कि जीएसटी की सफलता के लिए कर प्रणाली को और आसान बनाना जरूरी था। इसलिए जीएसटी में सिर्फ दो टैक्स स्लैब- 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत रखे जाने चाहिए। विशेषज्ञों ने पहले ही इस बात पर जोर दिया था कि करों में नरमी राजस्व का त्याग नहीं, बल्कि विकास की रणनीति है। उनके अनुसारविकृतियों को कम करके भारत उपभोग बढ़ा सकता है, अनुपालन बढ़ा सकता है और समय के साथ भारी कर संग्रह कर सकता है। इससे विकसित अर्थव्यवस्था बनने की उसकी महत्वाकांक्षा को बल मिलेगा। कुल मिलाकर जीएसटी में यह बड़ा सुधार मोदी सरकार के 'साधारण कर-सरल जीवन' के दृष्टिकोण को मजबूती देता है। इससे जहां जनता को रोजमर्रा के खर्चों में राहत मिलेगी, वहीं उद्योगों को स्थिर और पारदर्शी कर ढांचा मिलेगा।

राजनीतिक फायदा भी मिलेगा

अगर राजनीतिक फायदे की बात की जाए तो बिहार चुनाव नजदीक है। पश्चिम बंगाल भी कतार में है। ऐसे में जीएसटी जैसे फैसले से देश के हित के साथ ही चुनावी फायदा भी मिल सकता है। जीएसटी से सीधा फायदा मिडिल क्लास और लोअर-मिडिल क्लास को मिलेगा, जो भाजपा का बड़ा वोटर बेस है। दिवाली का फेस्टिव सीजन आने वाला है, सस्ती खरीदारी से सरकार की 'जन-हितैषी' की छवि बनेगी। लेकिन राजनीतिक से ज्यादा जीएसटी रिफार्म की मुख्य वजह ट्रंप का टैरिफ है। अगर यह फैसला अब भी नहीं लिया जाता, तो जीडीपी पर बहुत बुरा असर पड़ सकता था।

प्रशांत झा

राज्य के लिए विस्थापन और पुनर्वास एक गंभीर समस्या है। यह नासूर झारखंड की अपनी जननी नहीं है। वर्ष 2000 में राज्य गठन के समय अभिशाप के रूप में झारखंड को यह समस्या मिली थी। हर सरकार में विस्थापन और पुनर्वास एक अहम मुद्दा रहा। हर सरकार ने इसे हल करने की दिशा में कदम उठाने का वादा किया। यह नहीं कह सकते कि पूर्व की सरकार ने इस दिशा में प्रयास नहीं किये। लेकिन सफलता नहीं मिली, तो प्रयास करने के तरीके और मंशा पर सवाल जरूर खड़े होते हैं। इसलिए यह यक्ष प्रश्न आज भी खड़ा है कि क्या विस्थापन और पुनर्वास की समस्या का निदान हो गया? जवाब हर कोई देगा, नहीं। जो दिख भी रहा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में जब मौजूदा सरकार का गठन हुआ, तो विस्थापन और पुनर्वास की समस्या मुंह खोले खड़ी उन्हें मिली। राज्य की सड़कों से लेकर विधानसभा सदन तक मुद्दा उठता रहा। अगर आपको हेमंत सोरेन सरकार की पहली कैबिनेट बैठक याद हो, तो हेमंत की बातों को याद करें। उन्होंने वादा किया था कि विस्थापन और पुनर्वास की समस्या का हल निकाला जायेगा। इसके लिए कदम उठाये जा रहे हैं। हेमंत अपने वादे को भूले नहीं। तमाम झंझावातों के बीच धीरे-धीरे एक-एक कर अपने वादों को पूरा कर रहे हैं। बीते मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में उन्होंने झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग (गठन, कार्य, दायित्व) नियमावली 2025 को मंजूरी दी। हेमंत सोरेन हर समय, हर जगह, हर वक्तव्य में राज्य की संस्कृति, कला, साहित्य की महत्ता को बताते हैं। इन्हें बचाने और संजोने की बात करते हैं। उन्होंने यह भी साबित किया कि यह केवल उनके भाषण का अंश नहीं है। उनकी सरकार सचमुच राज्य की कला, संस्कृति, साहित्य आदि को संरक्षित करने और संवारने की मंशा रखती है। इसलिए कैबिनेट से इस से संबंधित अलग-अलग एकेडमी का भी गठन किया। अब इन सभी को धरातल पर उतारने की बारी है। जनता को उम्मीद है

■ हेमंत सोरेन एक-एक कदम बढ़ाते हुए वादा पूरा कर रहे

■ तीन अलग-अलग एकेडमी का भी किया गया गठन

■ राज्य की सांस्कृतिक, साहित्य और कला को दिशा मिलेगी



कला, संस्कृति और साहित्य को मिलेगी नयी दिशा

झारखंड की सांस्कृतिक, कला और साहित्यिक धरोहर किसी से छिपी नहीं है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका कई बार प्रदर्शन हो चुका है। राज्य को वाहवाही मिली है। इस धरोहर को आगे बढ़ाना और संरक्षित करना राज्य के लोगों का दायित्व है। यह दायित्व तभी पूरा हो सकता है, जब सरकार मददगार हो। सरकार की मंशा विरासत में मिली इन चीजों को संवारने की हो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साबित कर दिया है कि वह इन चीजों को संवारने की बात केवल अपने भाषणों तक सीमित नहीं रखते हैं। उनकी सरकार कला, संस्कृति और साहित्य को सही मायने में संवारने की इच्छा रखती है। यह पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में लिये गये निर्णय से साफ हो

गया है। हेमंत सरकार कैबिनेट ने झारखंड राज्य साहित्य एकेडमी, संगीत-नाट्य एकेडमी और ललित कला एकेडमी के गठन को मंजूरी दी। राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह की एकेडमी है। जिसका लाभ दिख रहा है। इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने-विवार आदान-प्रदान करने का मंच मिल रहा है। उन्हें आगे बढ़ने का मौक मिल रहा है। आयोग उन्हें मदद कर रहा है। राज्य स्तर पर झारखंड राज्य साहित्य एकेडमी, संगीत-नाट्य एकेडमी और ललित कला एकेडमी एकेडमी के गठन के बाद निश्चय ही इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण जगी है। आने वाले समय में ये एकेडमी क्रियाशील होंगे, तो लाभ भी धीरे-धीरे दिखने लगेगा।

कि विस्थापन और पुनर्वास आयोग हो या अलग-अलग एकेडमी, जल्द ही इनके काम धरातल पर दिखने लगे। क्योंकि हेमंत सरकार के बढ़ते एक-एक कदम में सफलता दिख रही है।

1.57 लाख परिवारों को होगा लाभ

राज्य में विभिन्न कारणों से 1.57 लाख परिवार विस्थापित हैं। जो वर्षों से विस्थापन का दर्श झेल रहे हैं। हर दिन समस्या का सामना कर रहे हैं। इनमें एक उम्मीद जगी है। वहीं, इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है कि कुछ आवश्यक कार्य जैसे, सड़क, अस्पताल, बांध, डैम आदि के लिए भविष्य में विस्थापन नहीं

होगा। जब विकास के जरूरी काम होंगे तो विस्थापन भी होगा। मौजूदा समय में लोग जमीन देने से हिचकते हैं। विस्थापन, बेरोजगारी और जमीन छीनने का डर सताता है। नतीजतन योजनाओं को धरातल पर उतारने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जब ये पूर्व में विस्थापित लोगों को देखेंगे कि उनकी समस्याओं का निदान हो गया है। उन्हें हर सुविधा मिल रही है। जमीन, रोजगार, जीवनयापन जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वो पूर्व की तरह या उससे अच्छा जीवन व्यतीत कर रहे हैं। तो विरोध करने वालों की संख्या खुद कम होने लगेगी। लिहाज विस्थापन आयोग का गठन और नियमावली का तैयार कर हेमंत

सरकार ने पहली सीढ़ी सफलता से चढ़ ली है। अब विस्थापन और पुनर्वास आयोग के सही दिशा में क्रियाशील करना है। इसके बाद पूर्व के विस्थापितों की समस्याओं का निदान होगा, तो भविष्य में विस्थापन और पुनर्वास की समस्या भी खड़ी नहीं होगी।

विस्थापितों के हितों की रक्षा होगा

झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग (गठन, कार्य, दायित्व) नियमावली 2025 का उद्देश्य ही विस्थापितों के हितों की रक्षा करना और उनके पुनर्वास के लिए काम करना है। आयोग विस्थापित व्यक्तियों और परिवारों का सामाजिक और आर्थिक अध्ययन करेगा, सामाजिक रूप से पिछड़े व्यक्तियों और समुदायों की पहचान करेगा, पुनर्वास के लिए सुझाव देगा, सरकारी संस्थाओं को आंकड़े उपलब्ध करायेगा, पुनर्वास योजनाओं के क्रियाव्ययन की समीक्षा करेगा। नियमावली के तहत आयोग में एक अध्यक्ष होंगे। जिन्हें सामुदायिक विकास कार्यक्रमों और विस्थापन तथा पुनर्वास के क्षेत्र में 10 वर्षों का कार्य अनुभव रखना आवश्यक होगा। जो सदस्य होंगे, उनमें प्रशासनिक सेवा का रिटायर अधिकारी जो संयुक्त सचिव स्तर से कम का न हो, जिला जज स्तर से विधि विशेषज्ञ, एसटी, एससी और ओबीसी समुदाय से तीन सदस्य और संबंधित क्षेत्र के उपायुक्त, जिला परिषद के अध्यक्ष, संबंधित प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष और पारंपरिक ग्राम प्रधान होंगे। आयोग अपने कार्यों को प्रभावी ढंग से कर सके। सरकार पहली सीढ़ी चढ़ चुकी है, इसलिए लोग विस्थापन और पुनर्वास आयोग के गठन को लेकर प्रसन्नता जाहिर कर रहे हैं। हर वर्ग और हर क्षेत्र से हेमंत सरकार को बधाई दी जा रही है।

राशिफल डॉ एनके बेरा 943114351	
मेघ	कुछ संघर्ष के बाद नौकरी-सम्पत्ती कार्य में अगाती सम्पन्न मिलेगी।
वृष	व्यक्ति हर्ष तथा उल्लास का वातावरण देखने, लेटने, घैरे से काम आसान होगा।
मिथुन	आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्यदेनजानों के प्रति रुचि बढ़ेगी।
कर्क	काम की नती बढेगी, सुख-संसाधन की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।
सिंह	आत्मन् की के नये सोत बनेगे, मान-उन्नतन, प्र-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।
कन्या	बहुत दिनों से लीी आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सम्पन्नता।
तुला	समाजनातिक प्रवास सम्पन्न, विश्व-वृद्धि-प्रतिष्ठा का विकास होगा, महत्त्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।
वृश्चिक	कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के नाच की ओर प्रसरत होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।
धनु	आने के नये सोत बनेगे, प्रायश्चित्ती व्यवस्था का विकास, हठदंड विच्छल रहेगा।
मकर	नये व्यवसाय का आरम्भ हो सकता है, परिवार में नागायिक कार्य संपन्न होगा।
कुम्भ	रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उत्थान बना रहेगा, समान के साथन बनेगे,नये लोगों से त्पर्क।
मीन	किसी नये कार्य आरम्भ करने से पूर्व परिवार में विश्वास-पुनर्तर्क करें, कठिनाईयें पूरे किजय।

P.R. 361172 (IPRD) 25-26



BIRSA INSTITUTE OF TECHNOLOGY

Approved by AICTE, New Delhi; Affiliated to Jharkhand University of Technology, Ranchi; Recognised by DTE, Govt. of Jharkhand

गुरु ब्रह्मा, गुरुविष्णु: गुरु देवो महेश्वर:।
गुरु: साक्षात् परमं ब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः॥



शिक्षक दिवस

के मौके पर सभी शिक्षकों को हार्दिक
शुभकामनाएं



POLYTECHNIC

ME | CE | EE | ECE | CSE | AIML | CCBBD | CE & IOT | CSIS

We offer Diploma in Engineering in Electronics & Comm. / Civil / Electrical / Mechanical / Computer Sc. / Computer Engg. & Internet of Things / AI & Machine Learning / Cloud Computing & Big Data / Cyber System & Information Security

ELIGIBILITY: For 3 Years: 10th (Matric) / JCEEB / BPET For 2 Years (Lateral Entry): 12th (PCM) / IT / 10+2 Voc. / JCEEB / BPET

WORK INTEGRATED LEARNING PROGRAMME

ME | CE | CSE

For Working Professionals

ELIGIBILITY: 12th with PCM or hold an IT qualification with at least 1 year of relevant work experience.

UNDER-GRADUATE PROGRAMME

BBA / BCA

ELIGIBILITY: 12th pass (any stream) minimum 50% marks.
for BCA 12th (with Mathematics) minimum 50% marks.
2nd year lateral entry is also available.

ADMISSION 2025

Registration forms are available at our campus or candidates can also apply online at <http://bitpolytechnic.com/Form/apply-now/>

📞 9470193642 📞 9403890719 📞 9931080111

For a free career counselling session / Admission counsellor WhatsApp No. 9931080111



1025+ Students Placed in 6000 firms

YOUR FUTURE BEGINS AT BIRT POLYTECHNIC

India's Top Ranked Polytechnic Engineering Institute: Strong in Academics & Placements

Merit-based Scholarships for SC, ST, OBC, Girls, General category, and low-income students

Apply Now and Kick Start an Industry-ready training and career-focused skill development

100%

PLACEMENT OFFERS

प्रत्येक वर्षाना दोगा हकीकत

ACADEMIC COLLABORATIVE ALLIANCES














AVAIL
INSTITUTION'S FREE
EDUCATION
LOAN
NO EMI PAYMENT
EMI



BIRT-P: BIRT-DEVI DARSHAN CAMPUS, GETLATU, RANCHI-835217, JHARKHAND (INDIA), Ph: 0651 2273067

bitpolytechnic.com | [bitgroupin](https://t.me/bitgroupin) | [bitpolytechnic](https://t.me/bitpolytechnic) | [bitgroup](https://t.me/bitgroup) | [jkxvsa](https://www.youtube.com/channel/UCkxvsa) | [bitpolytechnic1](https://www.youtube.com/channel/UCkxvsa) | [BitITGroup](https://www.youtube.com/channel/UCkxvsa) | [jkxvsa](https://www.youtube.com/channel/UCkxvsa)



SCAN TO APPLY








A teacher in a light blue shirt and dark sarong stands on the left, pointing with a stick at a board filled with children's drawings. A student in a blue shirt sits on a log on the right, looking at the board. The background is a misty, forest-like scene. The text 'St Columbus Public School' is at the top in teal. 'HAPPY' is in white capital letters, and 'Teachers' Day' is in large yellow cursive. A celebratory message is in the center, and contact information is at the bottom.

St Columbus Public School

HAPPY

Teachers' Day

Celebrating the inspiring mentors who guide us, teach us, and shape bright futures every day with dedication

Sai Colony Upper Chutia Ranchi 6204303056



RAM LAKHAN SINGH YADAV COLLEGE

A Constituent unit of Ranchi University, Ranchi &
NAAC Accredited Institute

H.B. ROAD, KOKAR, RANCHI





Prof. (Dr.) Vishnu Charan Mahto
Professor-in-charge

Everyone who remembers his own education remembers teachers, not methods & techniques. The teacher is the heart of the educational system.

-Sidney Hook

Happy Teacher's Day

Courses Offered-

Under Graduate, Post Graduate & Vocational Courses (RU)

● ARTS
| ● SCIENCE
| ● COMMERCE



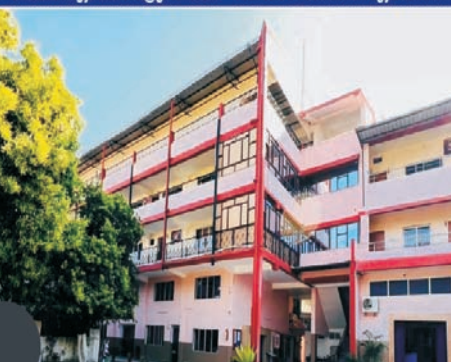
SACHIDANAND GYAN BHARTI MODEL SCHOOL

(Affiliated to C.B.S.E. New Delhi)

108, Kusai, Doranda, Ranchi-834002

Contact : Ph : 9334714607, 8102997994

E-mail : sachidanandgyanbharti@gmail.com • Website : sachidanandgyanbhartiranchi.com





HAPPY TEACHER'S DAY



मराठा आरक्षण विरोध कहां तक

देश ने आरक्षण की एक और लड़ाई देखी, इस बार मुंबई में। मराठा आरक्षण को लेकर पांच दिनों तक भारत की आर्थिक राजधानी में हंगामा मचा रहा। प्रदर्शनकारी आखिरकार माने, लेकिन अपनी कई मांगें मनवा कर। प्रदर्शन खत्म हो चुका है, पर इससे जुड़े कुछ सवाल अब भी बाकी हैं - अपनी मांग को लेकर कोई आंदोलन किस हद तक जा सकता है और क्या विरोध-प्रदर्शन का अधिकार छीना जा सकता है?

अदालत की सख्ती : बॉम्बे हाइकोर्ट ने मराठा आरक्षण कार्याकर्ता मनोज जरागे पाटिल से जवाब मांगा है कि आंदोलन के दौरान सरकारी संपत्ति को जो बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा, उसका जिम्मेदार कौन है? जरागे की तरफ से बताया गया कि आंदोलन शांतिपूर्ण था, किसी संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि यह माना गया कि आम जनता को असुविधा हुई। गौरतलब है कि यह आंदोलन खत्म भी तभी हुआ, जब हाइकोर्ट ने सख्ती दिखाई - भले इसके लिए सरकार ने जरागे की मांगें मानीं।

आंदोलन से परेशानी : आम लोगों को हुई असुविधा पर हाइकोर्ट की नाराजगी बिल्कुल सही है। अपनी बात मनवाने के लिए किसी शहर की रफ्तार को रोक देना उचित नहीं माना जा सकता। दुर्भाग्य

से दक्षिण मुंबई को जबरदस्त परेशानी झेलनी पड़ी, कई लोकल ट्रेन कैसल हुईं। कभी न थमने वाली मुंबई का कुछ हिस्सा आरक्षण आंदोलन में जकड़ गया।

प्रशासन की जिम्मेदारी : लेकिन यहाँ जितनी जिम्मेदारी आंदोलनकारियों,

उनके नेता जरागे की है, उतनी ही एडमिनिस्ट्रेशन की भी। मुंबई में भीड़ का उमड़ना कोई नयी बात नहीं है। गणेश पूजनोत्सव के दौरान ही देश के तमाम हिस्सों से लोग गणपति बप्पा के दर्शन को मुंबई पहुंचते हैं। तो क्या आंदोलन की जानकारी होने के बाद हालात को संभालने के लिए उचित इंतजाम किये गये थे? अगर परमिशन पांच हजार की थी, तो इससे कई गुना ज्यादा भीड़ कैसे महानगर में दाखिल हो गयी?

संतुलन जरूरी : विरोध-प्रदर्शन लोकतंत्र का अहम हिस्सा है। सरकार से असहमति जताना और जिम्मेदारों तक अपनी बात पहुंचाना हर नागरिक का हक है। अगर किसी समुदाय-वर्ग को लगता है कि सरकार उसके हितों की अनदेखी कर रही है, तो उसे विरोध जताने से नहीं रोका जा सकता। लेकिन, मामला है हद का - कि उस विरोध की सीमा क्या होगी? जिस तरह विरोध का अधिकार नहीं छीना जा सकता, उसी तरह यह भी नहीं हो सकता कि एक का प्रदर्शन दूसरे के लिए आफत बन जाये। महाराष्ट्र सरकार ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। जरूरत है कि इस सवाल को भी सुलझा लिया जाये, वरना फिर कोई शहर किसी आंदोलन के बोझ से दबा होगा।

जदयू ने राहुल गांधी का फूंक़ा पुतला, जताया आक्रोश

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बिहार में महागठबंधन की वोट अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता को लेकर की गयी कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में जदयू ने विरोध जताया। गुरुवार को महानगर अध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में समिति ने साकची में राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया। मौके पर जदयू प्रदेश महासचिव अंजली सिंह, जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, महिला मोर्चा की अध्यक्ष अमृता मिश्रा सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल रहे। कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए कहा महिला शक्ति का अपमान पूरे देश का अपमान है। अजय कुमार ने कहा कि कांग्रेस चुनावी बोखलाहट में इस तरह की भड़काऊ और असंवेदनशील टिप्पणी कर रही। जो लोकतांत्रिक और सामाजिक मर्यादा पर गहरी चोट है। इस अवसर पर कुलविंदर सिंह पन्नु, विकास साहनी, आकाश शाह, नीरज सिंह, ममता सिंह सहित बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रानीडीह कोकोटोला में शहीद मोटका गोप का 36वां शहादत दिवस 23 सितंबर को

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पोटका विधानसभा क्षेत्र के बागबेड़ा स्थित रानीडीह कोकोटोला में शहीद मोटका गोप का 36वां शहादत दिवस इस वर्ष 23 सितंबर को भव्य रूप से मनाया जायेगा। इस संबंध में गुरुवार को खासमहल कुंडू भवन में झामुमो जमशेदपुर प्रखंड के पूर्व अध्यक्ष बहादुर किस्कू ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। मौके पर सैकड़ों छात्र-छात्राओं के बीच शिक्षा सामग्री का वितरण किया जायेगा। इसके साथ ही खेलकूद को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित होगी, जिसमें 16 टीमों हिस्सा लेंगी। विजेता टीम को पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया जायेगा। प्रेस वार्ता में बहादुर किस्कू के साथ पुनल्लु सरदार, लखन सोरेन, अनुप शर्मा, मैन्लु खान समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएवी स्कूल के मनीषी ने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की, शिक्षक दिवस पर दिया खास तोहफा

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। शिक्षक दिवस के मौके पर जमशेदपुर के डीएवी स्कूल के छात्र मनीषी ने क्रिकेट में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर शहर और राज्य का नाम रोशन किया। मनीषी झारखंड के पहले क्रिकेटर बने हैं, जिन्होंने एक पारी में 6 बल्लेबाजों को एलबीडब्लू आउट कर उपलब्धि हासिल की। दुनिया के स्तर पर यह रिकॉर्ड अब तक केवल पांच क्रिकेटरों में मार्क एलॉर्ट, चमीडां वास, ताबिश खान, ओबी रॉबिन्सन और क्रिस्ट राइट के नाम दर्ज था। मनीषी अब इस सूची में छठे खिलाड़ी के रूप में शामिल हो गये। उन्होंने स्कूल में पढ़ाई के दौरान ही अंडर-16 स्टेट टीम में खेलना शुरू किया और इसके बाद राहुल द्रविड़ अकादमी के मार्गदर्शन में अंडर-19 स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया। उनका अगला लक्ष्य झारखंड रणजी टीम में जगह बनाना है। मनीषी की कामयाबी ने साबित कर दिया जमशेदपुर जैसे शहर से भी विश्वस्तरीय खिलाड़ी हो सकते हैं।



अभिमतआजाद सिपाही

शिक्षक दिवस : समाज के निर्माता शिक्षक



मो नेजातूल्लाह

समाज के विकास और राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण आधार माना

गया है, लेकिन शिक्षा को सही दिशा देने वाला वह व्यक्ति - जिसे हम शिक्षक कहते हैं। शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान नहीं कराते, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र, व्यक्तित्व और जीवन-दृष्टि को गढ़ते हैं। यही कारण है कि उन्हें समाज का शिल्पकार कहा जाता है।

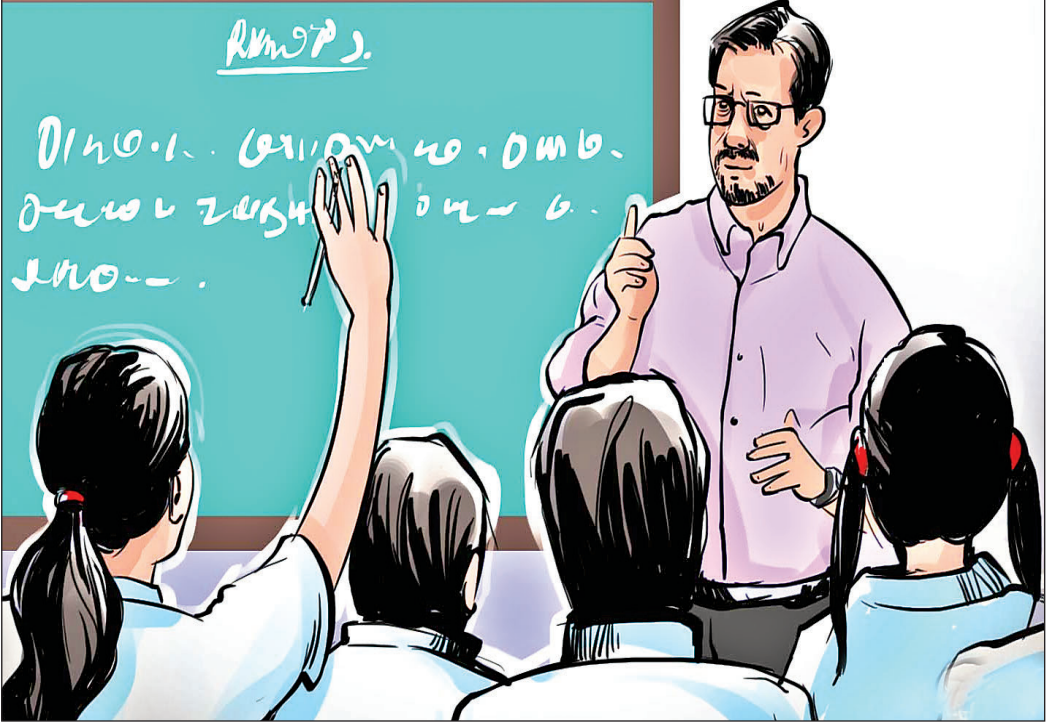
शिक्षक एक दीपक की तरह हैं, जो स्वयं जल कर अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं और ज्ञान की ज्योति से मार्ग को प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थी के जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही शिक्षक उसके पथप्रदर्शक बन जाते हैं। वे न केवल अक्षर ज्ञान कराते हैं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं जैसे मूल्य भी सिखाते हैं।

समाज में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। वे समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित बनाने का कार्य भी करते हैं। एक जागरूक शिक्षक गांव और शहर के बीच की दूरी को मिटाने में योगदान देता है। वह समाज को अंधविश्वासों, कुरीतियों और संकीर्णताओं से मुक्त करने का प्रयास करता है। यही कारण है कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आजादी के बाद तक अनेक शिक्षकों ने समाज सुधार और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आज के युग में जब तकनीक और इंटरनेट शिक्षा का नया माध्यम बन चुके हैं, तब भी शिक्षक की महत्ता कम नहीं हुई है। डिजिटल माध्यम जानकारी दे सकते हैं, लेकिन सही दृष्टिकोण, सही मूल्य और मानवीय संवेदनाएं केवल एक शिक्षक ही दे सकता है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल नौकरी पाने योग्य नहीं बनाते, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक, संवेदनशील ईंसान और समाजोपयोगी व्यक्तित्व बनाने का कार्य करते हैं।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षक का कार्य

शिक्षक एक दीपक की तरह हैं, जो स्वयं जल कर अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं और ज्ञान की ज्योति से मार्ग को प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थी के जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही शिक्षक उसके पथप्रदर्शक बन जाते हैं। वे न केवल अक्षर ज्ञान कराते हैं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं जैसे मूल्य भी सिखाते हैं। समाज में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। वे समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित बनाने का कार्य भी करते हैं।



डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षक का कार्य केवल ज्ञान देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में चरित्र, मानवता और सामाजिक मूल्यों का संचार करना भी है। वे कहते थे - जो शिक्षक अपने विद्यार्थियों से प्रेम नहीं करते, वे कभी उन्हें सही शिक्षा नहीं दे सकते। उनके अनुसार, शिक्षक को सदैव एक आजीवन शिक्षार्थी (Lifelong Learner) बने रहना चाहिए, क्योंकि जो स्वयं सीखना बंद कर देता है, वह दूसरों को कभी सच्ची शिक्षा नहीं दे सकता।

आज के युग में जब तकनीक और इंटरनेट शिक्षा का नया माध्यम बन चुके हैं, तब भी शिक्षक की महत्ता कम नहीं हुई है। डिजिटल माध्यम जानकारी दे सकते हैं, लेकिन सही दृष्टिकोण, सही मूल्य और मानवीय संवेदनाएं केवल एक शिक्षक ही दे सकता है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल नौकरी पाने योग्य नहीं बनाते, बल्कि उन्हें जिम्मेदार नागरिक, संवेदनशील ईंसान और समाजोपयोगी व्यक्तित्व बनाने का कार्य करते हैं।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षक का कार्य

केवल ज्ञान देना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में चरित्र, मानवता और सामाजिक मूल्यों का संचार करना भी है। वे कहते थे - जो शिक्षक अपने विद्यार्थियों से प्रेम नहीं करते, वे कभी उन्हें सही शिक्षा नहीं दे सकते। उनके अनुसार, शिक्षक को सदैव एक आजीवन शिक्षार्थी (Lifelong Learner) बने रहना चाहिए, क्योंकि जो स्वयं सीखना बंद कर देता है, वह दूसरों को कभी सच्ची शिक्षा नहीं दे सकता।

यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि शिक्षक केवल पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक

रांची, शुक्रवार, 05 सितंबर, 2025

आजाद सिपाही

शिक्षक एक दीपक की तरह हैं, जो स्वयं जल कर अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं और ज्ञान की ज्योति से मार्ग को प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थी के जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही शिक्षक उसके पथप्रदर्शक बन जाते हैं। वे न केवल अक्षर ज्ञान कराते हैं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं जैसे मूल्य भी सिखाते हैं। समाज में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। वे समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित बनाने का कार्य भी करते हैं।

शिक्षक एक दीपक की तरह हैं, जो स्वयं जल कर अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं और ज्ञान की ज्योति से मार्ग को प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थी के जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही शिक्षक उसके पथप्रदर्शक बन जाते हैं। वे न केवल अक्षर ज्ञान कराते हैं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं जैसे मूल्य भी सिखाते हैं। समाज में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। वे समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित बनाने का कार्य भी करते हैं।

शिक्षक एक दीपक की तरह हैं, जो स्वयं जल कर अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं और ज्ञान की ज्योति से मार्ग को प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थी के जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही शिक्षक उसके पथप्रदर्शक बन जाते हैं। वे न केवल अक्षर ज्ञान कराते हैं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं जैसे मूल्य भी सिखाते हैं। समाज में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। वे समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित बनाने का कार्य भी करते हैं।

शिक्षक एक दीपक की तरह हैं, जो स्वयं जल कर अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं और ज्ञान की ज्योति से मार्ग को प्रकाशित करते हैं। विद्यार्थी के जीवन की पहली सीढ़ी पर कदम रखते ही शिक्षक उसके पथप्रदर्शक बन जाते हैं। वे न केवल अक्षर ज्ञान कराते हैं, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग और मानवीय संवेदनाओं जैसे मूल्य भी सिखाते हैं। समाज में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। वे समाज को शिक्षित, जागरूक और संस्कारित बनाने का कार्य भी करते हैं।

एक बार जब डॉ कलाम सर से उनकी जीवन की पहचान के बारे में पूछा गया तो वे कहते हैं - मैं सबसे पहले खुद को एक शिक्षक मानता हूं, और यही मेरी सच्ची पहचान है।

यह भी सत्य है कि यदि समाज को सशक्त, शिक्षित और प्रगतिशील बनाना है तो शिक्षकों की भूमिका को समझना और उन्हें उचित सम्मान देना आवश्यक है। शिक्षकों के बिना समाज अधूरा है, क्योंकि वही भविष्य की नींव तैयार करते हैं।

अनेक विद्वानों ने शिक्षक के बारे में अपने विचार प्रकट किए हैं, लेकिन अंततः यह कहा जा सकता है कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक, राष्ट्र के निर्माता और मानवता के सच्चे संरक्षक हैं। उनकी भूमिका जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही अपरिहार्य भी। एक अच्छा शिक्षक केवल एक विद्यार्थी का जीवन नहीं बदलता, बल्कि आने वाली पूरी पीढ़ी का भविष्य संवार देता है।

(लेखक : **संत माइकल्स पब्लिक स्कूल**, पुंदाग, रांची के प्रिंसिपल हैं।)

कोल्हान की खबरें

बिस्टुपुर में दिनदहाड़े 30 लाख की लूट, व्यापारियों में दहशत



आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी में अपराधियों के हाँसेले बुलंद हैं। 24 घंटे के भीतर दो बड़ी लूट की वारदातों ने पूरे शहर के व्यापारियों में दहशत का माहौल बना दिया। बुधवार को सोनारी थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी दुकान में हुई लूट की जांच अभी पूरी भी नहीं हुई थी कि गुरुवार को अपराधियों ने बिस्टुपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े 30 लाख की लूट को अंजाम दे डाला। मिली जानकारी के मुताबिक कारोबारी साकेत अग्रवाल गुरुवार को बैंक में रुपये जमा करने जा रहे थे। इसी दौरान बिस्टुपुर गुरुद्वारा के पास पहले से घात लगाये इनोवा सवार अपराधियों ने उन पर हमला कर रुपयों से भरा बैग छीन लिया। अपराधियों ने भागते वक्त कारोबारी की आंखों में लाल मिर्च पाउडर फेंका और दहशत फैलाने के लिए हवाई फायरिंग भी की। घटना के बाद से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही बिस्टुपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आपास में लगे सोसोटीवी फुटेज खंगाल रही ताकि अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी की जा सके। साथ ही पूरे शहर में गहन छापेमारी अभियान

लगातार लूट की घटनाओं पर बरसे विधायक सरयू राय, कहा-पुलिस पूरी तरह विफल

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। शहर में लगातार हो रही लूट की घटनाओं पर जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। गुरुवार को बिस्टुपुर में 30 लाख रुपये की लूट की वारदात और उससे एक दिन पहले सोनारी में ज्वेलरी शॉप में हुई लूट पर उन्होंने कहा कि इससे साफ हो गया है कि पुलिस पूरी तरह विफल है। उन्होंने कहा कि बिस्टुपुर जैसे पॉश इलाके में दिनदहाड़े लूट कैसे हो गयी। पुलिस का सूचना तंत्र और खुफिया तंत्र आखिर कर क्या रहा था। भारी भरकम राशि गोपनीय सूचनाओं पर खर्च की जाती है, लेकिन उसका कोई लाभ जनता को नहीं मिल पा रहा। सरयू राय ने कहा कि थाने की पुलिस अगर सक्रिय रहती तो इस तरह की घटनाएं नहीं घटतीं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि जितना ध्यान पुलिस हेल्मेट चेकिंग पर देती है, उसका आधा भी अपराध नियंत्रण में लगाये तो अपराधियों के हाँसेले पस्त हो जायेंगे। लगातार दो दिनों में हुई लूट से आम जनता और व्यापारियों में आक्रोश व भय का माहौल है। विधायक ने पुलिस प्रशासन से शहर की कानून-व्यवस्था पर तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग की।

चलाया जा रहा है। उधर लगातार हो रही वारदातों से व्यापारियों में भय का माहौल है। सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होने लगे। खबर लिखे जाने तक पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

जमशेदपुर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर भाजपा ने शासन-प्रशासन पर बोला हमला

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर में अपराध की घटनायें बेकाबू हो चुकी हैं, शहर में लगातार दूसरे दिन हुई सनसनीखेज लूट ने शहर की ध्वस्त कानून-व्यवस्था की पोल खोल दी है। बुधवार को सोनारी थाना क्षेत्र में वर्धमान ज्वेलर्स में दिनदहाड़े छह हथियारबंद अपराधियों ने लाखों रुपये के आभूषण लूट लिए और दुकान मालिक को पिस्तौल की बट से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके अगले ही दिन, गुरुवार को बिष्टुपुर गुरुद्वारा के समीप दिन के उजाले में व्यवसायी साकेत अग्रवाल से अपराधियों ने बंदूक के दम पर 30 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। भाजपा ने जिला प्रशासन



और राज्य सरकार पर कड़ा हमला बोला। महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि जमशेदपुर में अपराधियों का दुस्साहस चरम पर है। बिष्टुपुर में व्यवसायी से 30 लाख की लूट साबित करती है पुलिस प्रशासन अपराधियों के

बालू घाटों की नीलामी पर भाजपा का विरोध आदित्यपुर (आजाद सिपाही)। सरायकेला-खरसावां जिले में बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया शुरू होते ही भाजपा नेता सावन गुप्ता ने कड़ा विरोध जताया। उन्होंने आरोप लगाया सरकार बड़े करोड़बारियों को फायदा पहुंचाने के लिए बालू घाटों को समूह में नीलाम कर रही है।शुप ए (चाडिल) की नीलामी लगभग 25 करोड़ रुपये से और शुप बी (सरायकेला) की नीलामी लगभग 20 करोड़ रुपये से शुरू होगी।उन्होंने कहा इतनी बड़ी रकम के कारण छोटे कारोबारी टेंडर प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे। उन्होंने मांग की घाटों की अलग-अलग नीलामी हो, जिससे छोटे व्यापारी भी शामिल हो और राजस्व में वृद्धि हो सके।

आगे पूरी नतमस्तक हो गए हैं। यह शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। एक औद्योगिक नगरी, जो देश की आर्थिक प्रगति की रीढ़ है, वहां व्यापारी और आम नागरिक अपनी मेहनत का कमाई और जान की सुरक्षा के लिए प्रतिदिन संघर्ष कर रहे हैं। दिनदहाड़े गोलीबारी और लूट की वारदातें पुलिस

प्रशासन की निष्क्रियता और सरकार की नाकामी का जीता-जागता सबूत हैं। झामुमो-कांग्रेस-राजद की गठबंधन सरकार अपराधियों को संरक्षण देने में मशगूल है। उन्होंने कहा भाजपा लौहनगरी को भयमुक्त और सुरक्षित बनाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

मोदी सरकार का ऐतिहासिक दिवाली तोहफा, जीएसटी में भारी राहत : काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश प्रवक्ता अमरूप्रीत सिंह काले ने जीएसटी में किए गए बड़े सुधार का स्वागत किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आभार जताया।श्री काले ने कहा यह निर्णय आम जनता, किसानों, छात्रों, कारोबारियों और मध्यमवर्ग के लिए राहत भरा है।काले ने बताया रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर टैक्स घटकर 5% कर दिया गया। किसानों को भी राहत देते हुए ट्रैक्टर, टायर, पार्ट्स और कृषि यंत्रों पर टैक्स 5% कर दिया गया।स्वास्थ्य क्षेत्र में इश्चोरस टैक्स मुक्त और मेडिकल उपकरणों पर टैक्स घटकर 5% रह गया। शिक्षा क्षेत्र में पेंसिल,



नोटबुक और ग्लोब्स टैक्स मुक्त कर दिए गए। वहाँ टीवी, एसी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर टैक्स 28% से घटकर 18% रह गया।या काले ने कहा यह सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। देश के हर वर्ग को लाभ मिलेगा और भारत विकास के नये आयाम स्थापित करेगा।

पूर्व सीएम रघुवर करमा पूजा की शोभायात्रा में हुए शामिल



के पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास ने शामिल होकर श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों को शर्वत, खाद्य पदार्थ और ठंडा पानी वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने आदिवासी समाज के उरांव, मुंडा, भुइयां, तुरी और मुखी समाज के अखाड़ों के प्रमुख जनों को माला पहनाकर अभिनंदन किया। रघुवर दास ने कहा कि करमा पूजा प्रकृति के प्रति श्रद्धा और आदिवासी संस्कृति की समृद्ध परंपराओं के प्रतीक है। यह पर्व हमें एकजुटता, भाईचारे और पर्यावरण प्रेम का संदेश देता है। मौके पर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मिश्रा, गुंजन यादव, दुनदुन सिंह, राजन सिंह, बबुआ सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घाटशिला की जनता का अपमान बर्दाश्त नहीं, सांसद आदित्य साहू माफी मांगें : विक्टर सोरेन जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। राज्यसभा सांसद आदित्य साहू द्वारा कुख्यात अपराधी सूर्या हंसदा को हीरो बताते हुए दिया गया हालिया बयान विवादों में आ गया है। गुरुवार को झारखंड जना मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विक्टर सोरेन ने इसे घाटशिला की जनता और उनके जनप्रतिनिधियों का सीधा अपमान करार दिया। विक्टर सोरेन ने कहा जिस व्यक्ति पर हत्या, अपहरण, रंगदारी और आगजनी जैसे 32 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हों, उसे घाटशिला की जनता के प्रतीक बताना शर्मनाक है। श्री सोरेन ने मांग की सांसद आदित्य साहू सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगें। उन्होंने कहा कि इस अपमानजनक बयान का उपचुनाव में जनता कशारा जवाब देगी।



देवघर (आजाद सिपाही)। सातर रोड स्थित गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल भंडारकोला में बैज समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर देवघर के छात्र-छात्राओं को विभिन्न जिम्मेदारियों के लिए हेल बॉय, हेल गर्ल सहित अन्य प्रतिनिधियों के रूप में बैज प्रदान किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसडीओ, बिजली विभाग, साहसुकिना राजकमल रजक, विद्यालय के प्राचार्य बलराम कुमार झा, बहोदाया देवघर के अध्यक्ष रामसेखर सिंह गुंजन, रेड रोज के प्राचार्य अनिल पांडे और गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल, कास्तर टाउन के प्राचार्य दिलीप कुमार सिंह ने किया। इसके बाद चयनित छात्रों को बैज पहनाकर उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई गई। वहीं, प्राचार्य बलराम कुमार झा ने सभी बैजधारी छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे ईमानदारी, सहयोग और टीमवर्क के साथ विद्यालय का गौरव बढ़ाएं।

Euro Kids
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN

Play Group | Nursery | AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
Euro Junior (LKG) | Euro Senior (UKG)

OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3 | Class 4 | Class 5

आपके बच्चों को दे सही शुरुआत

ADMISSION OPEN

KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

भारत और चीन को धमकाना बंद करें ट्रंप : पुतिन

बीजिंग। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से भारत और चीन को टैरिफ के नाम पर धमकाना बंद करने को कहा है। उन्होंने कहा कि दोनों (भारत-चीन) देश उनकी धमकी से डरने वाले नहीं हैं। चीन की विकट्री डे पोरड में शामिल होने के बाद को मीडिया से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि ट्रंप, भारत या चीन से इस तरह से बात नहीं कर सकते। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और चीन का इतिहास हमलों से भरा है। अगर इन देशों का कोई नेता कमजोरी दिखाएगा तो उसका राजनीतिक करियर खत्म हो सकता है। दरअसल, ट्रंप भारत पर कई बार आरोप लगा चुके हैं कि भारत रूसी तेल खरीदता है और यूक्रेन जंग में रूस का साथ दे रहा है। ट्रंप अपने टैरिफ को जंग सुलझाने वाला हथियार बताते हैं।

बंगाल विधानसभा में अभूतपूर्व हंगामा 5 भाजपा विधायक किये गये निलंबित विपक्षी विधायकों और मार्शल के बीच जमकर हाथापाई

- डेढ़ घंटे से अधिक समय तक सदन में नारेबाजी और हंगामा
- ममता के भाषण के दौरान भाजपा विधायकों ने की नारेबाजी

आजाद सिपाही संवाददाता

कोलकाता। बंगाल विधानसभा के विशेष सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को भाजपा शासित राज्य में बंगाली प्रवासी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में अभूतपूर्व हंगामा देखने को मिला। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जैसे ही प्रस्ताव पर बोलने के लिए खड़ी हुई विपक्षी भाजपा के विधायकों ने सीटों से खड़े होकर नारेबाजी शुरू कर दी। लगातार नारेबाजी एवं सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) बिमान बनर्जी ने पांच भाजपा विधायकों- मुख्य सचेतक डा शंकर घोष, अग्निमित्रा पाल, मिहिर गोस्वामी, अशोक डिंडा एवं बंकिम घोष को आज के लिए सदन की शेष कार्यवाही से निलंबित कर दिया। डेढ़ घंटे से अधिक समय तक सदन में दोनों



ममता बनर्जी ने मोदी चोर के लगाये नारे

ममता ने सदन में भाजपा चोर, मोदी चोर, वोट चोर, गद्दी छोड़ जैसे नारे भी लगाए। ममता ने कहा कि देश से अब भाजपा की विदाई का घंटा बजा चका है। उन्होंने यहां तक कहा कि मैं भाजपा को धक्का देकर जीरो कर दूंगी। ममता ने कहा कि भाजपा का आजादी के आंदोलन से कोई सरोकार नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने अंग्रेजों की दलाली की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि अंग्रेजों के साथ साजिश कर उसने (भाजपा) देश का विभाजन करा दिया और देश की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली लेकर चला गया।

तरफ से लगातार नारेबाजी एवं हंगामा चलता रहा।

हंगामे की शुरुआत दिन के 1.50 बजे तब हुई, जब मुख्यमंत्री प्रस्ताव पर बोलने के लिए जैसे ही खड़ी हुई, भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने आरोप लगाया कि प्रस्ताव पर हमारे सभी वक्ताओं को स्पीकर ने बोलने नहीं दिया। स्पीकर ने आरोपों को खारिज करते हुए प्रदर्शन कर रहे भाजपा विधायकों से बार-बार सीटों पर बैठने की अपील की लेकिन नारेबाजी जारी रही। यहां तक की सदन के बीचोंबीच आकर विपक्षी विधायक नारेबाजी कर रहे थे और कागज के टुकड़े भी फाड़ कर फेंके। चेतावनी के बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के आरोप में सबसे पहले भाजपा के मुख्य सचेतक डा शंकर घोष को आज की शेष कार्यवाही के लिए सदन से निलंबित कर दिया। उन्होंने मार्शल को शंकर घोष को सदन से बाहर निकालने का निर्देश दिया। इस दौरान भाजपा विधायकों और मार्शलों के बीच जमकर हाथापाई हुई। इसी बीच घोष नीचे फ्लोर पर गिर पड़े। इससे माहौल और भी गरम हो गया। काफी मशक्कत के बाद मार्शलों ने शंकर घोष को आखिरकार जबरन खींच के सदन से बाहर निकाला।

ज्ञान से चरित्र निर्माण तक की यात्रा



डॉ भारद्वाज शुक्ल

यह सर्व विदित है कि प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को हम शिक्षक दिवस मनाते हैं, यह केवल

एक औपचारिक समारोह नहीं, बल्कि यह उस अटूट बंधन और गहरी श्रद्धा का प्रतीक है जो एक शिष्य अपने गुरु के प्रति रखता है। यह दिन गुरु शिष्य परंपरा के महत्व को बनाए रखने तथा गुरु के उपयोगिता और महत्व को समाज में अक्षुण्ण रखने के उद्देश्य से अति विशिष्ट है। यह दिन भारत के महान दार्शनिक, शिक्षाविद, प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती को समर्पित है। डॉ राधाकृष्णन स्वयं एक सर्वमान्य आदर्श शिक्षक थे, जिन्होंने कहा था, एक शिक्षक का काम सिर्फ पुस्तक और पाठ्यक्रम को पढ़ाना नहीं, बल्कि अपने छात्रों में जीवनोपयोगी मानवीय गुणों, व्यक्तित्व व राष्ट्रीय चरित्र का विकास करना है। खुद दीपक की तरह जल कर ज्ञान की लौ जलाने वाले तथा समाज के शिल्पकार शिक्षक ही होते हैं। एक सफल शिक्षक सिर्फ सूचनाओं का भंडार नहीं होता, वास्तविक शिक्षक न केवल हमें गणित के सूत्र और इतिहास की तारीखें सिखाते हैं, बल्कि वे हमें जीवन की हर चुनौतियों का सहर्ष विवेकपूर्वक सामना करना भी सिखाते हैं। हमें सही और गलत का

अंतर करने तथा उचित निर्णय लेने में मार्गदर्शन करते हैं, हमारे भीतर अंतर्निहित आत्मविश्वास जगाते हैं और हमें अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित भी करते हैं। वे हमारी कमजोरियों को पहचान कर उन्हें ताकत में बदलने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है जो अपने छात्रों में केवल अंक लाने की होड़ न जगाये, बल्कि उनमें चरित्र निर्माण, सोचने-समझने की शक्ति और समाज के प्रति जिम्मेदारी जगाये। आज के नित बदलते परिवेश में, जहां तकनीक जीवन के हर क्षेत्र में न केवल प्रभावी है बल्कि पूरी तरह हावी होते जा रहा है ऐसे में एक योग्य शिक्षक की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जा रही है। वे केवल पाठ्यक्रम के संरक्षक नहीं रहे, बल्कि वे ऐसे मार्गदर्शक बन गये हैं जो छात्रों को यह सिखाते हैं कि डिजिटल दुनिया में उपलब्ध असीमित जानकारी का सही उपयोग कैसे किया जाये। वे छात्रों को आलोचनात्मक सोच विकसित करने, समस्या-समाधान करने और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। एक सच्चा शिक्षक अपने छात्रों के लिए आजीवन पथ प्रदर्शक बना रहता है। दुनिया में विज्ञान और तकनीक का चाहे जितना भी बोलबाला हो जाय सच्चे शिक्षक की महत्ता कदापि कम नहीं हो सकती। उदात्त शिक्षक डॉ राधाकृष्णन का महाना था कि शिक्षा

का उद्देश्य केवल धनार्जन या नौकरी पाना नहीं, बल्कि एक योग्य कर्तव्यनिष्ठ एवं आत्मनिर्भर राष्ट्रनिष्ठ इंसान बनाना है। जब उनके छात्र और मित्र उनका जन्मदिन विशेष रूप से मनाया चाहते थे, तो उन्होंने विनम्रता से आग्रह किया कि इस दिन को 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए ताकि देश भर के शिक्षकों का सम्मान हो सके। उनका यह दृष्टिकोण शिक्षकों के प्रति उनके गहरे सम्मान को दर्शाता है। एक शिक्षक के योगदान को किसी पेशे से तुलना नहीं की जा सकती। शिक्षक का कार्य कोई सामान्य पेशा नहीं अपितु राष्ट्र निर्माण का दायित्व है। वे समाज की नींव हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों को गढ़ते हैं। उनका काम सिर्फ कक्षाओं के संचालन तक सीमित नहीं बल्कि सामाजिक मूल्यों, परंपराओं और संस्कृति को आगे बढ़ाना भी है। शिक्षक दिवस हमें उन सभी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन हमारे भविष्य को संवारने में लगा दिया। आइए, इस शिक्षक दिवस पर हम अपने समस्त शिक्षकों का हृदय से सम्मान करें, जिन्होंने हमें सिर्फ ज्ञान ही नहीं दिया, बल्कि बेहतर भविष्य निर्माण में सहयोगी बन कदम कदम पर मार्गदर्शन व दिशादर्शन भी किया।

(लेखक : डिपार्दमेंट ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर हैं।)

ST. THOMAS SCHOOL
SECTOR-III, DHURWA, | HARDAG, RANCHI
RANCHI-4, PH.: 0651-2446649 | PH. : 7070096648
(Affiliated to the Council for the I.S.C Examinations, New Delhi)

We wish ALL TEACHERS

A Very Happy Teachers Day !

Principal

Tender Heart School
विद्याधन सर्वधनं - प्रधानम्

5th September

A teacher is like candles who spend whole life in giving lights to many students.

Happy TEACHERS Day

The Transformation of Education Begins with Teachers

ADARSH VIDYA MANDIR
TIRIL, KOKAR, RANCHI

॥ गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरुवे नमः ॥

Happy TEACHER'S DAY

ADMISSION OPEN

CALL US @ : 9279005019, 7250975663

GREENLAND PUBLIC SCHOOL
गुरु ब्रह्मा, गुरुविष्णुः गुरु देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परमं ब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः॥

आप सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

BIMMS CAMPUS, PREM NAGAR HESAG, HATIA, RANCHI

CALL SUPPORT +91- 7903120500 | EMAIL SUPPORT gpsranchi93@gmail.com | LOCATION Ranchi, Jharkhand

KIDZEE
INDIA'S FAVOURITE PRE SCHOOL

ADMISSION OPEN

for Play Group Nursery, Jr. KG, Sr. KG

- 24/7 CCTV Surveillance
- Child Sensitive Staffs
- Child Friendly Atmosphere
- Well Educated Teachers
- Helping Children Excel in Academics & Extra Curricular Activities Since more than a decade

Krishnamurti Marg, Rani Bagan Bariatu, Ranchi, Jharkhand | Call : 95702 80555

FIRSTMARK PUBLIC SCHOOL
Estd.2007 Reg.:2014 - 002/2014 - 2015

Happy Teachers Day

A life of joy and happiness is possible only on the basis of knowledge and science

ADMISSION OPEN

Pre Nursery to Class IXth

Note: Special preference in admission for Girl child / Single mother / Security personal / Parents admitting 2 children.

Booty Road, Bariatu, Ranchi
Ph.: 9470368892, 0651-3197451
E-mail: firstmark24@gmail.com / Web: www.firstmarkschool.com

CAMBRIAN PUBLIC SCHOOL
An English Medium Senior Secondary School
Affiliated To CBSE, Delhi

Happy TEACHER'S Day

The true Teachers are those who help us think for ourselves

Kanke Road, Ranchi - 834008, (Jharkhand)
Ph. 7631000024, Email : info@cambrianpublicschool.com

W. JOHN MULTIPURPOSE BOARDING SCHOOL
Piska Nagri Road, Ranchi-835303 | +91-963 433 3174

SAFAL EKKKA PRINCIPAL

शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं

S.N. SINHA INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT
Approved By All India Council For Technical Education (AICTE) GOI, New Delhi
Affiliated to Jharkhand University of Technology (J.U.T) Govt. of (Jharkhand)

स्पोर्ट ऐडमिशन 11/09/2025

ADMISSION OPEN SCHOLARSHIP Upto 80%

MBA

ADMISSION OPEN FOR 33rd BATCH

TRAINING AND PLACEMENT PARTNERS
INTEX | Apollo | elista | BOSCH | clarion | steepwell | Dalmia

Hawai Nagar Road No-6, Khunti Road, Ranchi, Pin-834003
Ph.: 0651-3595394, 7667368836, 9808161074, 8709736535